Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla . (March 2022). "Impact of personality factors of teacher trainees on their teaching ability"
International Journal of Economic Perspectives,*16*(3),29-39
Retrieved from https://ijeponline.org/index.php/journal

" शक्षक प्र शक्षुओं के व्यक्तित्व कारकों का उनकी शक्षण क्षमता पर प्रभाव"

नीरज देवगन
शोध वद्यार्थी

डॉ. के.बी.मुल्ला (अनुसंधान पर्यवेक्षक)
स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान संस्थान द क्षण भारत हिंदी प्रचार सभा
धारवाड़ - **580 001** (कर्नाटक)

सारांश:

वर्तमान जांच शक्षक प्र शक्षुओं के व्यक्तित्व कारकों और शक्षण क्षमता के प्रभाव का अध्ययन करने के लए की गई है। अंतर्मुखी बहिर्मुखता सूची (आईईआई) डॉ. पीएफ अजीज और डॉ. (श्रीमती) रेखा गुप्ता द्वारा वक सत की गई है और यह व्यक्तित्व का अनुमान लगाने और अंतर्मुखी या बहिर्मुखी या अंबीवर्ट प्रकार के व्यक्तित्व को वर्गीकृत करने के लए उपयोग कया जाता है। शक्षण योग्यता को मापने के लए भारत में कोई मानकीकृत उपकरण नहीं है केवल

बीके पासी और श्रीमती एमएस ल लता (1994) द्वारा नि र्मत सामान्य शक्षण योग्यता स्केल को छोड़कर। यह शक्षकों / छात्र शक्षकों की शक्षण योग्यता मापने का एक उपाय प्रदान करता है। दोनों उपकरण स्व - वत्तपो षत और सरकारी क्षेत्र में अध्ययन कर रहे 998 (नौ सौ अ ानबे) शक्षक प्र शक्षुओं पर शोध कया गया है। शक्षक प्र शक्षु , कुरुक्षेत्र वश्व वद्यालय, कुरुक्षेत्र और मह र्ष दयानंद वश्व वद्यालय, रोहतक से संबद्ध सहायता प्राप्त संस्थान या कॉलेज में अध्ययन कर रहे छात्रों को नमूने के रूप में गठन कया है। पूर्व पोस्ट वर्तमान अध्ययन में शोध की तथ्य सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग कया गया है। निष्कर्षों से पता चला है क बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता उनके लंग, इलाके और संस्थानों के प्रकार के बावजूद उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम है। उभयचर व्यक्तित्व समूह के शक्षक प्र शक्षु अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में उनके लंग, स्थान और संस्थानों के प्रकार के बावजूद शक्षण में अ धक सक्षम हैं।

कीवर्ड: व्यक्तित्व कारक, शक्षण योग्यता, शक्षक प्र शक्षु

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla

Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

परिचय:

सामाजिक और आ थक परिवर्तन के लए शक्षा एक शक्तिशाली उपकरण है। इसका सीधा संबंध राष्ट्र के वकास से है। बेहतर शक्षा केवल अच्छे और प्र श क्षत शक्षकों द्वारा ही दी जा सकती है। प्राचीन भारत में शक्षकों के प्र शक्षण की कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं थी। भारत में वुड्स डस्पैच के परिणामस्वरूप , लंदन वश्व वद्यालय की तर्ज पर कलकत्ता , बॉम्बे, मद्रास (चेन्नई) में व भन्न अ धनियमों द्वारा **1857** में वश्व वद्यालयों की स्थापना की गई। कॉलेजों का तेजी से वकास हुआ, सरकारी कॉलेज के अलावा कई निजी संस्थान भी उभरे। भारत के शक्षकों के लए प्र शक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों को मान्यता देने के लए सरकार द्वारा एनसीटीई की स्थापना की गई है। शक्षक शक्षा प्रणाली का एक अ भन्न अंग है, शक्षक के बिना कोई भी शक्षा प्रणाली जी वत नहीं रह सकती है।

शक्षक प्र शक्षण कार्यक्रम एक प्रभावी शक्षक बनने के लए आदतों , तौर-तरीकों, सोच, दृष्टिकोण, व्यक्तित्व, चरित्र आदि को आकार देने और ढालने में महत्वपूर्ण भू मका निभाते हैं। शक्षण योग्यता शक्षकों की प्रभावशीलता का सबसे महत्वपूर्ण घटक है , हालां क शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता को वक सत करने के लए कई अन्य कारक शा मल हैं। इस लए, शोधकर्ता शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता पर व्यक्तित्व कारकों के प्रभाव का अध्ययन करना चाहती है। साहित्य का अध्ययन करते समय कई प्रश्न शोधकर्ता का ध्यान आक र्षत करते हैं क क्या व्यक्तित्व कारक शक्षक प्र शक्षुओं के शक्षण-क्षमता के वकास में सहायक हैं? क्या बेहतर व्यक्तित्व वाले शक्षक प्र शक्षुओं का शक्षण योग्यता पर बेहतर प्रभाव पड़ता है? शोधकर्ता ने उपरोक्त प्रश्नों के व्यापक रूप से स्वीकार्य उत्तर को आक र्षत करने के लए सोचा है।

1. अध्ययन की आवश्यकता और तर्क : समाज बहुत तेजी से बदल रहा है। नए आ वष्कार और खोजें न केवल समाज बल्कि शक्षा प्रणाली को भी प्रभा वत कर रहे हैं। शक्षक की प्रभावशीलता में संशोधन और सुधार के लए कई तकनीकें उपलब्ध हैं।

इन सभी तकनीकों के बावजूद शक्षक प्र शक्षण संस्थानों में शक्षक प्र शक्षुओं के बीच शक्षण क्षमता में सुधार के लए अन्य सर्वोत्तम प्रयास भी कए जाते हैं। शोधकर्ता सोचती है क कुछ व्यक्तित्व कारक, सहायता प्राप्त और स्व- वत्तपो षत संस्थानों में पढ़ने वाले शक्षक की शक्षण क्षमता को प्रभा वत करते हैं , इस लए शोधकर्ता इस वचार को सत्या पत करने के लए सोचती है। इस लए शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

2. अध्ययन का ववरण**:**

शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण योग्यता ने मनोवैज्ञानिकों , शक्षा वदों और शोधकर्ताओं का ध्यान आक र्षत कया है। यह सच है क शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता से कई मनोवैज्ञानिक कारक जुड़े हुए हैं , ले कन वर्तमान अध्ययन में शोधकर्ता केवल शक्षक प्र शक्षुओं के व्यक्तित्व कारकों के साथ संबंधों की पहचान करने का प्रयास करेगी। तो अध्ययन की समस्या को इस प्रकार कहा जा सकता है**:**

" शक्षक प्र शक्षु के व्यक्तित्व कारकों का उनकी शक्षण क्षमता पर प्रभाव**"**।

4. परिचालन परिभाषाएं

व्यक्तित्व**:** मनोवैज्ञानिकों का मानना है क शक्षकों की शक्षण योग्यता व्यक्तित्व पर बहुत अ धक निर्भर करती है। व्यक्तित्व को इंग्लिश मे पर्सना लटी कहते है, पर्सना लटी शब्द ग्रीक भाषा शब्द के 'पर्सोना' से बना है, जिसका अर्थ है मुखौटा। इस लए, व्यक्तित्व को व्यक्ति के बाहरी रूप को समझा जाता है। व्यक्तित्व का अर्थ व्यक्ति के बाहरी रूप रंग तथा शारीरिक गठन आदि से लगाया जाता है परंतु मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो व्यक्तित्व संपूर्ण व्यवहार का दर्पण होता है। व्यक्तित्व का कोई स्थाई प्रत्यय नहीं है।समय **-**समय पर व्यक्तित्व का स्वरूप बदलता रहता है।वास्तव में व्यक्तित्व कुछ ढंग को कहते हैं जिसके द्वारा कोई व्यक्ति अपने परिवेश के साथ अनुकूलन करता है। इसी आधार पर हम कह सकते हैं क यदि कसी व्यक्ति का अपने परिवेश के साथ समु चत अनुकूलन है तो उसका व्यक्तित्व बहुत अ धक अच्छा है।

आलपोर्ट **(1939)** के अनुसार, 'व्यक्तित्व व्यक्ति की उन मनोशारीरिक पद्धतियों का वह आन्तरिक गत्यात्मक संगठन है जो क पर्यावरण में उसके अनन्य समायोजनों को निर्धारित करता है।'

व्यक्तित्व का वर्णन कसी व्यक्ति के व्यवहार के संदर्भ में उसके कार्यों , मुद्राओं, शब्दों और दृष्टिकोणों और उनकी बाहरी दुनिया के बारे में राय और स्वयं के बारे में कसी की भावनाओं के रूप में कया जाता है , जो चेतन, अर्द्धचेतन या अचेतन स्तर का हो सकता है। व्यक्तित्व का अर्थ है मनुष्य के भीतर मनुष्य।

शक्षक योग्यता**:** शक्षक योग्यता एक शक्षक के ज्ञान , योग्यता और वश्वास को संद र्भत करती है। शक्षक की क्षमता शक्षक के प्रदर्शन और शक्षक की प्रभावशीलता से भन्न होती है, वास्तव में यह शक्षक की एक स्थिर वशेषता है जो शक्षक के एक स्थिति से दूसरी स्थिति में जाने पर वशेष रूप से नहीं बदलती है। शक्षक क्षमता और शक्षक प्रदर्शन दोनों का उपयोग शक्षण आधार के रूप में कया जाता है जिससे शक्षक **-**प्रभावशीलता का अनुमान लगाया जा सकता है।

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

अध्ययन का उद्देश्य:

वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. शक्षक प्र शक्षुओं को उनके व्यक्तित्व वशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना।
2. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता की तुलना करना।

अध्ययन की परिकल्पना:

1. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।
2. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी , बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत पुरुष शक्षक प्र शक्षणार्थी अपनी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।
3. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत महिला शक्षक प्र शक्षणार्थी अपनी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं हैं।
4. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी , बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शहरी शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।
5. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत ग्रामीण शक्षक प्र शक्षणार्थी अपनी शक्षण योग्यता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।
6. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी , बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत सहायता प्राप्त कॉलेजों के शक्षक प्र शक्षु उनकी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं हैं।
7. व्यक्तित्व के अंतर्मुखी , बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत स्व - वत्तपो षत संस्थान के शक्षक प्र शक्षु उनकी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं हैं।

अध्ययन की व ध:

अध्ययन व ध समस्या की प्रकृति पर निर्भर करती है। घटना की वर्तमान स्थिति से संबं धत समस्या के मामले में वर्तमान अध्ययन के उद्देश्यों को साकार करने के लए शोध की

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

कार्योत्तर सर्वेक्षण पद्धति लागू की जाती है।

अध्ययन की जनसंख्या:

जनसंख्या, को अनुसंधान में ब्रह्मांड या व्यक्तियों के अच्छी तरह से परिभा षत समूह को लया जाता है, जिन पर शोध निष्कर्षों को सामान्यीकृत कया जा सकता है। अ धक सटीक रूप से, यह कहा जा सकता है क जनसंख्या लोगों का वह समूह है जिसमें से अध्ययन के नमूने का चयन कया जाता है। वर्तमान अध्ययन में स्व वत्तपो षत एवं सरकारी वद्यालयों के शक्षक प्र शक्षार्थी जो कुरुक्षेत्र वश्व वद्यालय, कुरुक्षेत्र और मह र्ष दयानंद वश्व वद्यालय, रोहतक से संबद्ध सहायता प्राप्त संस्थान या कॉलेज में अध्ययनरत है, जनसंख्या का गठन करते है।

अध्ययन का नमूना:

जनसंख्या के प्रत्येक व्यक्ति से आंकड़े एकत्र करना बहुत कठिन और असंभव है। इसके लए बहुत सारा पैसा, समय और संसाधन भी चाहिए होते है। इस लए इस तरह की समस्या को दूर करने के लए, पहले के शोध वैज्ञानिकों द्वारा नमूना की अवधारणा वक सत की गई थी। नमूना जनसंख्या के छोटे हिस्से को दर्शाता है जो जनसंख्या का प्रतिनि धत्व करता है। इस लए , जनसंख्या के छोटे हिस्से ले कन प्रतिनि ध हिस्से पर कए गए शोध अध्ययन के निष्कर्षों को जनसंख्या पर सामान्यीकृत कया जा सकता है। वर्तमान अध्ययन में कुल **998** (नौ सौ अ ानबे) शक्षक प्र शक्षुओं को अध्ययन का नमूना बनाया गया है ।

सरकार से सहायता प्राप्त छह कॉलेजों के कुल **398** (तीन सौ अ ानबे) शक्षक प्र शक्षुओं का और छह स्व- वत्तपो षत संस्थानों के **600** (छह सौ) शक्षक प्र शक्षुओं चयन कया गया है। इस नमूने में दो प्रकार के संस्थानों, ग्रामीण और शहरी के साथ-साथ महिला शक्षक प्र शक्षु पुरुष शक्षक प्र शक्षु भी शा मल हैं। अध्ययन के नमूने का चयन लॉटरी प्रणाली द्वारा सरल यादृच्छिक व ध द्वारा कया गया था।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण:

अध्ययन के आँकड़ों को एकत्रित करने के लए निम्न ल खत मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग कया गया।

1. आ.ई.ई.आई को पीएफ अजीज और डॉ . (श्रीमती) रेखा गुप्ता द्वारा वक सत कया गया है।
2. बीके पासी और श्रीमती एमएस ल लता द्वारा जी.टी.सी.एस वक सत कया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय तकनीक:

आँकड़ों का वश्लेषण शोधकर्ता को निष्कर्ष और जांच के निष्कर्षों तक पहुंचने में मदद करता है। आँकड़ों का वश्लेषण करने के लए शोधकर्ता उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करेगी। हालां क, शोधकर्ता आँकड़ों के वश्लेषण के लए निम्न ल खत सांख्यिकीय तकनीकों का प्रस्ताव करती है।

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

'एफ' टेस्ट

'टी' टेस्ट

वर्तमान अध्ययन के प्रयोजन के लए शक्षक प्र शक्षुओं की शक्षण क्षमता पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करने के लए 'टी' और 'एफ' परीक्षण पद्धति का उपयोग कया जाएगा।

आँकड़ों का वश्लेषण और ववेचन:

वश्लेषण और व्याख्या इस प्रकार है:

परिकल्पना **1:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।

खोज से पता चलता है क बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 111.77)** और अंतर्मुखी **(**माध्य **= 58.78)** शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 130.52)** प्राप्त कया है। यह इं गत करता है क बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण व्यवसायों में उभयमुखी और अंतर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी-मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **1** वर्तमान निष्कर्षों से अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना **2:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत पुरुष शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।

खोज से पता चलता है क बहिर्मुखी पुरुष शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 112.551)** और अंतर्मुखी **(**मतलब **= 56.265)** पुरुष शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 131.057)** स्कोर कया है। यह इं गत करता है क बहिर्मुखी पुरुष शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण व्यवसायों में उभयमुखी और अंतर्मुखी पुरुष शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी -मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **2** वर्तमान निष्कर्षों से अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना **3:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत महिला शक्षक प्र शक्षुओं में उनकी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

खोज से पता चलता है क बहिर्मुखी महिला शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयमुखी **(**माध्य **= 110.944)** और अंतर्मुखी **(**मतलब **= 61.159)** महिला शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 130.133)** स्कोर कया है। इसका तात्पर्य यह है क बहिर्मुखी महिला शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण पेशे में उभयमुखी और अंतर्मुखी महिला शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी -मान द्वारा भी सत्या पत

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **3** वर्तमान निष्कर्षों से अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना **4:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शहरी शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण योग्यता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।

खोज से पता चलता है क बहिर्मुखी शहरी शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 114.113)** और अंतर्मुखी **(**मतलब **= 59.284)** शहरी शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 132.727)** स्कोर कया है। इसका तात्पर्य यह है क बहिर्मुखी शहरी शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण पेशे में उभयचर और अंतर्मुखी शहरी शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी-मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **4** वर्तमान निष्कर्षों से अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना **5:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।

खोज से पता चलता है क बहिर्मुखी ग्रामीण शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 110.053)** और अंतर्मुखी **(**मतलब **= 58.220)** ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 128.908)** स्कोर प्राप्त कया है। इसका तात्पर्य यह है क बहिर्मुखी ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण पेशे में उभयचर और अंतर्मुखी ग्रामीण शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी **-**मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **5** वर्तमान निष्कर्ष से अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना **6:**

व्यक्तित्व के अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत सहायता प्राप्त कॉलेजों के शक्षक प्र शक्षु उनकी शक्षण क्षमता के मामले में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं हैं।

खोज से पता चलता है क सहायता प्राप्त कॉलेजों के बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 115.267)** और अंतर्मुखी **(**मीन **= 61.654)** शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**माध्य **= 132.575)** स्कोर प्राप्त कया है। इसका तात्पर्य यह है क सहायता प्राप्त कॉलेजों के बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण पेशे में सहायता प्राप्त कॉलेजों के महत्वाकांक्षी और अंतर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी-मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **6** को वर्तमान निष्कर्ष द्वारा अस्वीकृत कया जाता है।

परिकल्पना **:** अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत स्व वत्तपो षत

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

संस्थान के शक्षक प्र शक्षणार्थी अपनी शक्षण क्षमता के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से भन्न नहीं होते हैं।

खोज से पता चलता है क स्व - वत्तपो षत संस्थानों के बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं ने अपने उभयचर **(**माध्य **= 109.187)** और अंतर्मुखी **(**माध्य **= 57.336)** शक्षक प्र शक्षु समकक्षों की तुलना में काफी अ धक **(**मतलब **= 129.242)** स्कोर कया है।इसका तात्पर्य यह है क स्व - वत्तपो षत संस्थानों के बहिर्मुखी शक्षक प्र शक्षु अपने शक्षण पेशे में स्व - वत्त महा वद्यालय के महत्वाकांक्षी और अंतर्मुखी शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अ धक सक्षम हैं। यह एक महत्वपूर्ण टी-मान द्वारा भी सत्या पत कया जाता है।

अतः परिकल्पना संख्या **7** वर्तमान निष्कर्षों से अस्वीकृत होती है।

अध्ययन के निष्कर्ष**:**

1. अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षु अपने **,** उभयचर और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

   उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षु अपने प्रतिपक्ष अर्थात अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

2. अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत पुरुष शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत पुरुष शक्षक प्र शक्षु अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत पुरुष शक्षक प्र शक्षु अपने प्रतिपक्ष अर्थात अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के पुरुष शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

3. अंतर्मुखी**,** बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत महिला शक्षक प्र शक्षणार्थी अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत महिला शक्षक प्र शक्षु अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत महिला शक्षक प्र शक्षणार्थी अपने प्रतिपक्ष अर्थात अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह की महिला शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

4. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत शहरी शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शहरी शक्षक प्र शक्षु अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत शहरी शक्षक प्र शक्षु अपने समकक्षों यानी अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के शहरी शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

5. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता में अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में बेहतर हैं।

उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत ग्रामीण शक्षक प्र शक्षु अपने प्रतिपक्ष अर्थात अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के ग्रामीण शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

6. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत सहायता प्राप्त कॉलेजों के शक्षक प्र शक्षु उनकी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह के सहायता प्राप्त महा वद्यालयों के शक्षक प्र शक्षु अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं। व्यक्तित्व समूह से संबं धत सहायता प्राप्त महा वद्यालयों के शक्षक-प्र शक्षक अपने प्रतिपक्ष अर्थात अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के सहायता प्राप्त महा वद्यालयों के शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

7. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी और उभयमुखी व्यक्तित्व समूहों से संबं धत स्व - वत्तपो षत संस्थानों के शक्षक प्र शक्षु अपनी शक्षण क्षमता के मामले में काफी भन्न होते हैं। बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत स्व - वत्तपो षत संस्थानों के शक्षक प्र शक्षु

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

अपने उभयमुखी और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह समकक्षों की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर होते हैं।

8. उभयचर व्यक्तित्व समूह से संबं धत स्व - वत्तपो षत संस्थानों के शक्षक प्र शक्षु अपने समकक्षों यानी अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह के स्व - वत्तपो षत संस्थानों के शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में अपनी शक्षण क्षमता में बेहतर हैं।

9. निष्कर्ष:वर्तमान अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला है क बहिर्मुखी व्यक्तित्व समूह के शक्षक प्र शक्षु उभयचर और अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में उनके लंग, स्थान और संस्थानों के प्रकार के बावजूद शक्षण में अ धक सक्षम हैं।उभयचर व्यक्तित्व समूह के शक्षक प्र शक्षु अंतर्मुखी व्यक्तित्व समूह से संबं धत शक्षक प्र शक्षुओं की तुलना में उनके लंग, स्थान और संस्थानों के प्रकार के बावजूद शक्षण में अ धक सक्षम हैं।

संदर्भ:

- अग्रवाल, वाईपी **(1986)**। सांख्यिकी व धयाँ अवधारणाएँ, अनुप्रयोग और संगणना, दिल्ली: स्ट र्लंग प्रकाशक।
- दांडेकर, डब्ल्यूएन **(2002)**। *शक्षा की मनोवैज्ञानिक नींव* । दिल्ली: मैक मलन इं डया ल मटेड।
- हेनरी ई. गैरेट. **(2006)**। *मनो वज्ञान और शक्षा में सांख्यिकी,* सुरजीत प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कोठारी, सीआर **(2004):** *रिसर्च मेथडोलॉजी, मेथड्स एंड टेक्निक्स* (दूसरा संशो धत संस्करण), न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- उच्च शक्षा में शक्षक की योग्यता। कताब से अध्याय। फरवरी **2012** में **http://www.egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/24676/1/Unit6.pdf** से प्राप्त कया गया

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022

- मनेलकोडी और महालक्ष्मी **(2014)**। अंग्रेजी भाषा के शक्षकों की शक्षण योग्यता और मी डया साक्षरता। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टीचर एजुकेशनल रिसर्च **(IJTER)*** **,**

- ओ'कॉनर पीजे **,** ब्राउन सीएम **(2016)**। सेक्स से जुड़े व्यक्तित्व लक्षण और तनाव**:** भावनात्मक कौशल स्त्री महिलाओं को तनाव से बचाते हैं ले कन स्त्री पुरुष नहीं। निजी। व्यक्ति अंतर। **99, 28-32**। **10.1016/**जे.पेड**.2016.04.075**

© 2022 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: Neeraj Devgan and Dr.KB Mulla
Submitted: 27 Dec 2021, Revised: 09 January 2022, Accepted: 18 February 2022, Published: 31 March 2022